केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 323 सोमवार 23 जून 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

टाटा मोटर्स ने परिजनों को दिया 1 लाख की आर्थिक सहायता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पंचायत नगर के अटल नगर के खुटहन में विद्युत स्पर्शघात से विश्वजीत व उसके भाई की मृत्यु के प्रकरण में पीड़ित परिवार से एस पी आटोव्हील्स, टाटा मोटर्स की ओर से डॉ रोहन दूबे ने मुलाकात की। मृतकों के पिता घनश्याम यादव को एस पी आटोव्हील्स की ओर 1 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि सौंपा।

इस दौरान राणा दिनेश प्रताप सिंह, पंकज त्रिपाठी, विष्णु कुमार शुक्ल, ओम प्रकाश दूबे आदि उपस्थित रहे।

नहाते समय युवक की करंट से मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुंडेरवा थाना क्षेत्र के मुड़ाडिहा गांव के युवक के साथ रविवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। मुंबई से दो महीने पहले छुट्टी पर आए 26 वर्षीय शैलेन्द्र उर्फ पिंटू की बिजली के करंट से मौत हो गई। वह दुर्घटना के समय परसा टूड़ी अपने मौसी के घर पर मौजूद था,और नहाते समय बिजली की चपेट में आ गया था।

घटना दोपहर करीब एक बजे की है। शैलेन्द्र अपने मौसी के घर परसा टूड़ी में रह रहा था। वह टिल्लू पंप चालू करके स्नान कर रहा था, तभी अचानक बिजली का करंट लग गया। परिजन तुरंत उसे जिला चिकित्सालय ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शैलेन्द्र तीन भाई और एक बहन में मझला था। वह मुंबई में मजदूरी कर अपने परिवार का भरण–पोषण करता था। पिछले साल उसने अपनी बहन की शादी भी करवाई थी। शैलेन्द्र की अचानक मौत से परिवार टूट गया है। घर में मातम का माहौल है और परिजन रो–रोकर बेहाल हैं।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष का किया स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । महिला कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मी यादव का रविवार को पार्टी कार्यालय पर डीएन शास्त्री के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने फूल–मालाओं से स्वागत किया।

पूर्वी जोन की महिला कांग्रेस अध्यक्ष शहला अहरारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी समर्पित कार्यकर्ताओं का सम्मान करती है। अहरारी ने विश्वास जताया कि लक्ष्मी यादव के नेतृत्व में बस्ती में महिला कांग्रेस मजबूत होगी। साथ ही हर स्तर पर महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी।

जनपद कोऑर्डिनेटर निर्मला पासवान ने प्रियंका गांधी को महिलाओं का आदर्श बताया। उन्होंने कहा कि प्रियंका के श्लड़की हूं, लड़ सकती हूंश नारे ने महिलाओं को नई शक्ति दी है।

पूर्व विधायक रामजियावन ने लक्ष्मी यादव को महादेवा क्षेत्र की जुझारू नेता बताया। उन्होंने कहा कि यादव का नेतृत्व पार्टी को नई ऊर्जा देगा। जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने पार्टी का पूर्ण समर्थन जताया।

अमेरिकी हमलों से भड़का ईरान, इजराइल पर मिसाइलों से हमला

तेहरान (आभा)। ईरान ने रविवार की सुबह तीन प्रमुख ईरानी परमाणु सुविधाओं पर अमेरिकी सेना द्वारा हवाई हमले किए जाने के बाद इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलों की अपनी पहली बौछार की है, जो पश्चिम एशियाई संघर्ष में नाटकीय वृद्धि को दर्शाता है। ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि 30 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं, वहीं इजरायल के कुछ हिस्सों में सायरन बजने लगे, जबकि यरुशलम में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं।

इजरायली सेना ने कहा कि वह ईरान से आने वाली मिसाइलों को रोकने के लिए काम कर रही है। ईरान पर अमेरिकी हमलों के बाद इजरायल ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। ईरान के सशस्त्र बलों ने रविवार को कहा कि उन्होंने बेन गुरियन हवाई अड्डे सहित इजराइल में कई स्थलों को निशाना बनाया, जिसमें विनाशकारी वारहेड शक्ति वाली लंबी दूरी की तरल और ठोस ईंधन मिसाइलों का संयोजन शामिल था। लक्ष्यों में हवाई अड्डा, एक ष्जैविक अनुसंधान केंद्रष्, रसद अड्डे और कमांड और नियंत्रण केंद्रों की विभिन्न परतें शामिल थीं, उन्होंने कहा।

इजराइल की आपातकालीन सेवा, मैगन डेविड एडोम (एमडीए) के अनुसार, इजराइल पर नवीनतम ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल बैराज में कम से कम 16 लोग घायल हो गए, जिससे ष्बड़े पैमाने पर विनाशष् हुआ।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने रविवार को कहा कि ईरान के परमाणु केंद्रों को निशाना बनाकर किए गए अमेरिका के हमले के बाद वहां 'विकिरण के कोई संकेत' नहीं मिले हैं। आईएईए ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। दोनों देशों के बीच युद्ध जारी है।

आमरण अनशनकारी की हालत बिगड़ी, नहीं पहुंचे जिम्मेदार अधिकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनहित के सवालों को लेकर पांचवे दिन भी शास्त्री चौक के निकट आशीष शुक्ल 'सैनिक' का आमरण अनशन जारी रहा। प्रशासन की ओर से अभी तक किसी सक्षम अधिकारी द्वारा अनशन समाप्त कराये जाने की दिशा में कोई पहल नहीं किया गया। रविवार को आशीष शुक्ल 'सैनिक' की स्वास्थ्य टीम ने जांच किया। उनके शुगर लेबल में गिरावट है और रक्तचाप निम्न स्तर पर पहुंच चुका है । स्वास्थ्य टीम का कहना है कि अगले 24 घंटों में यदि समुचित इलाज न हुआ तो आशीष शुक्ल बेहोशी या कोमा में जा सकते हैं।

आशीष शुक्ल ने कहा कि जब तक जिम्मेदार अधिकारी मांगों पर समुचित वार्ता नहीं करते उनका आमरण अनशन जारी रहेगा।

आमरण अनशन को मुख्य रूप से सत्येन्द्र चौधरी, राजकिशोर चौधरी, अशोक पाण्डेय, प्रिन्स शुक्ल, ओंकार चौधरी, सत्येन्द्र शुक्ल 'जिप्पी', वृजेश मिश्र, दयाशंकर मिश्र, अंकित त्रिपाठी, शिवानन्द पाण्डेय, बृजभूषण शुक्ल, धर्मराज गुप्ता, विजय गौतम, अर्चित त्रिपाठी, दिनेश, प्रियांक शुक्ल, पवन मिश्र आदि अपना समर्थन दिया।

चन्द्रशेखर के कार्यक्रम में हिन्दू संगठनों की महिलाओं ने किया हंगामा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । आजाद समाज पार्टी के संस्थापक और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद "रावण" के कार्यक्रम में महिलाओं ने हंगामा कर दिया। चंद्रशेखर अटल बिहारी बाजपेयी ऑडिटोरियम में एक सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे। वहां कार्यक्रम खत्म होने के बाद चंद्रशेखर कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने सर्किट हाउस गए। जहां पर हिंदूवादी संगठन की करीब 10 महिलाएं हाथ में तख्ती लेकर पहुंची। महिलाओं की तख्तियों पर चंद्रशेखर की तस्वीर के साथ 'रेप आरोपी को जेल भेजो' जैसे नारे लिखे थे।

महिलाओं ने चंद्रशेखर मुर्दाबाद, चंद्रशेखर को जेल भेजो, महिलाओं को न्याय दो और अत्याचार नहीं चलेगा, जैसे नारे लगाए। करीब आधे घंटे तक महिलाएं हंगामा करती रहीं। इसके बाद आजाद समाज पार्टी की महिला कार्यकर्ता आगे आई। वो लोग इन महिलाओं को खदेड़ने लगी। किसी तरह पुलिस ने महिलाओं को मौके से बाहर निकाला। ये मामला

रविवार दोपहर कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

हिंदूवादी संगठन की सदस्य प्रियंशी सिंह ने कहा, देश को पता होना चाहिए एक महिला और कई महिलाओं के ऊपर उसने उत्पीड़न किया है। जिसके नाम में ही रावण है वो खानदानी रावण है। ये लोग सम्मान में उसके लिए खड़े हैं, इनको पता है उसने कितनी महिलाओं का उत्पीड़न किया है। जो महिलाएं आगे बढ़कर आती हैं, उनको ये पीछे करने में लगा रहता है।

डॉ. रोहणी के साथ इसने जो किया है, हम उसके खिलाफ खड़े हैं। हम चाहते हैं चंद्रशेखर को जेल भेजा जाए। डॉ. रोहणी को न्याय दें। वो कोर्ट में क्या किसी से मिलेंगे, यहां आकर हमसे मिलें।

पैसे वाले नेता बनते हैं, गरीब का बेटा सिर्फ नारा लगाता है– चन्द्रशेखर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर ने संत गाडगे महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद अटल बिहारी वाजपेई ऑडिटोरियम में आयोजित जनसभा को संबोधित किया।

सभा में चंद्रशेखर ने कहा– अगर किसी को समाज से कुछ छीनना है तो वह अपने घर चला जाए, लेकिन अगर गरीबों को कुछ देना है, समाज में बदलाव लाना है, तो संघर्ष का रास्ता अपनाना होगा। उन्होंने कहा यह आंदोलन फूलों की सेज नहीं, बल्कि कांटों का बिस्तर है, जिस पर चलना तलवार की धार पर चलने जैसा है।

उन्होंने कहा– यह लड़ाई बंदूकों के सामने खड़े होने की है। दुश्मन बहुत चालाक है और जानता है कि लोकतंत्र का मतलब है बहुमत का शासन। जिसकी जितनी संख्या, उसकी उतनी हिस्सेदारी। लेकिन एक साजिश के तहत लोकतंत्र को भंग–तंत्र बना दिया गया।

चंद्रशेखर ने कहा– आज पैसे वाले लोग ही ग्राम प्रधान से लेकर सांसद बनते हैं। गरीब का बेटा आज भी सिर्फ नारे लगाता रह जाता है। लोकतंत्र के नाम पर जनता के साथ ठगी हो रही है। उन्होंने युवाओं और समाज के जागरूक लोगों से आह्वान किया वे इस आंदोलन से जुड़ें। व्यवस्था परिवर्तन की लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर चलें।

शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के क्षेत्र में सहयोग करेगा एसवाईएस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शिक्षित युवा संगठन 'एसवाईएस' की बैठक पटेल चौक के निकट एक रेस्टोरेन्ट में संस्थापक केसरी प्रसाद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, गरीबी दूर करने के उपायों पर विचार विमर्श करने के साथ ही उसे जमीनी धरातल पर क्रियान्वयन पर जोर दिया गया।

बैठक को सम्बोधित करते हुये एसवाईएस संस्थापक केसरी प्रसाद और सचिव प्रमेन्द्र कुमार ने कहा कि संगठन का उद्देश्य पात्र लोगों को विकास के लिये अवसर सुलभ करने, गरीब बेटियों की शिक्षा, विवाह, दहेज रहित विवाह कराने, कुरीतियों को दूर करने हेतु जन जागरण करना है। इस दिशा में निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। बैठक में विनय अम्बेडकर, अभिषेक गुप्ता, आदित्य राना, तीजू प्रसाद यादव, मोहित कुमार, अभिषेक कुमार चौधरी, अवनीश चौधरी, विक्की श्रीवास्तव, कुरबान, इन्द्रासन, सारिक आदिल, संजय निगम आदि उपस्थित रहे।

लेखपाल के रोकने के बावजूद बजंर भूमि पर अवैध निर्माण जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हल्का लेखपाल के रोकने के बाबजूद मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर में बंजर भूमि पर दबंगों द्वारा अवैध निर्माण कराये जाने का मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार रामपुर के निवासी इबरार पुत्र ऐश मोहम्मद जबरिया अवैध कब्जा कर पक्का निर्माण करा रहे हैं। मौके पर हल्का लेखपाल ने इस शर्त पर निर्माण कार्य को रुकवाया था कि बंजर गाटा संख्या 333म का पैमाईश होने के बाद ही कोई निर्माण वहां करे । बगल में जमीन होने का फायदा उठाकर इबरार आदि अब अवैध तरीके से बंजर की जमीन पर निर्माण कर कब्जा कर रहे है । शमशाद अहमद पुत्र इबरार अहमद ने लिखित रूप से निर्माण रोकवा देने को कहा था किन्तु निर्माण पूर्ववत जारी है।

इस सम्बन्ध में हल्का लेखपाल ने मुण्डेरवा थाना के रामपुर चौकी प्रभारी व बस्ती तहसील के अधिकारियों को मामले की सूचना देकर अवैध निर्माण को रोकने की शिकायत की है किन्तु निर्माणकर्ता अपने आप को बाहुबली बता कर निर्माण कार्य जारी किए हुए हैं ।

सुरेन्द्र ने मुख्यमंत्री के सामने उठाया भ्रष्टाचार, प्रशासनिक लापरवाही का मुद्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भारतीय जनता पार्टी गोरखपुर क्षेत्र सोशल मीडिया के क्षेत्रीय सह संयोजक सुरेन्द्र चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गोरखपुर में शिष्टाचार भेंट किया।

सुरेन्द्र चौधरी ने बताया कि बस्ती जनपद से जुड़े कई अहम समस्याओं, स्थानीय प्रशासन की उदासीनता, अपराध की बढ़ती घटनाओं और बुनियादी सुविधाओं की घोर अनदेखी, मुण्डेरवा में जल निगम की बंद टंकी को शुरू कराने, जैसे अनेक मुद्दों को उन्होने मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। उन्होने मुख्यमंत्री को विस्तार से अवगत कराया कि किस प्रकार बस्ती जनपद में शासन की योजनाएं फाइलों और रिपोर्टों में तो जिंदा हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर न

–मुख्यमंत्री ने दिया प्रभावी कार्यवाही का आश्वासन

जनता को राहत मिल रही है और न प्रशासन से संतोषजनक प्रतिक्रिया। सुरेन्द्र ने बताया कि वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वे अति शीघ्र अधिकारियों से वार्ता कर जांच कराते हुये दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करायेंगे।

पेड़ वाले बाबा गौहर अली ने पर्यावरण रक्षा के लिये मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। अपनों के बीच पेड वाले बाबा के नाम से चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता गौहर अली ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर बढ़ते हुए प्रदूषण को रोकने, पर्यावरण रक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिया है। उन्होने आग्रह किया है कि यदि सुझावों को जमीनी धरातल पर लागू किया जाय तो पर्यावरण रक्षा की दिशा में रचनात्मक पहल होगी।

गौहर अली ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा है कि पूरे दुनिया में बढ़ते हुए प्रदूषण को देखते हुए और वृक्षों की संख्या लगातार कम हाने की स्थिति में वायु ,जल ,ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगे और ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर हम पर्यावरण की रक्षा करें । सेटेलाइट से सर्वे कर वृक्षों का डाटा इकट्ठा किया जाए उसमें कितने वृक्षों का अवैध कटान हो रहा है उस पर बहुत सख्त कार्रवाई हो । मानसून सत्र में जो भी पौधे लगाए जाएं उनका जियो टैगिंग हो और जब तक बड़े ना हो उनके देखभाल पूरा किया जाए सिर्फ फोटो खिंचवाकर रिकॉर्ड ना बनवाया जाए एक ही दिन में पौधा लगाने का रिकॉर्ड तय न किया जाए

नदियों के किनारे खाली जमीन पर पूरा पौधा रोपण किया जाए पौधा लगाकर छोड़ न दिया जाए पौधे का सुरक्षित और सिंचाई की सुविधा भी सुनिश्चित किया जाए ।पत्र में कहा गया है कि हम पॉलिथीन के बैग या किराना दुकानों में तमाम

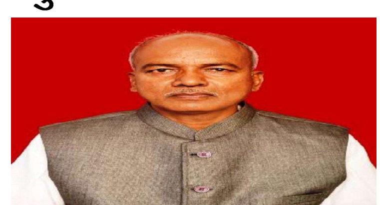

पॉली बाग के पैकेटों, डिस्पोजल प्लास्टिक के गिलास थर्माकोल के प्लेटो पर पाबंदी लगाना चाहिए ।

मुख्यमंत्री से आग्रह किया गया है कि ग्राम पंचायत, नगर पंचायत ,नगर पालिका या उससे बड़े शहरों में ड्रोन से सर्वे कर जो भी कूड़ा जला रहे हैं उनके ऊपर कारवाई हो चाहे भले ही सफाई कर्मी ही क्यों ना हो जिस तरह वाहनों में प्रदूषण की अवहेलना करने वाले पर जुर्माना लगता है उसी तरह जो लोग वायुमंडल को प्रदूषित करते हैं उनको दंडित किया जाए किसानों को जागरूक किया जाए की प्रराली ना जलाएं ना मानने पर किसान सम्मान निधि रोका जाए या जुर्माना लगाया जाए। शहरों से निकलने वाले गंदे पानी या फैक्ट्री के गंदे पानी को वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट द्वारा ट्रीट करके तभी नदियों में उस पानी को छोड़ा जाए या सिंचाई के काम में लाया जाए जो भी घर बनाया जाए उसमें ग्रीन एरिया निर्धारित हो अन्यथा ग्रीन एरिया के न होने पर नक्शा को कैंसिल किया जाए ।

पत्र में कहा गया है कि विशेष तौर पर वन विभाग की पौधारोपण में अहम भूमिका रहती है अगर इनके ट्रिगर्ड जिसके लेग गार्ड बड़े हो जो जमीन के कुछ अंदर तक सपोर्ट करते हैं यह पौधे मानसून सत्र में समय रहते लग जाए तो ज्यादातर चांस रहता है कि सब पौधे ग्रोथ कर जाएं सिर्फ गर्मी में उनका समय समय पर सिंचाई कर दिया जाए यह टारगेट लेकर चला जाए कि जो पौधे रोपित किए गए हैं हंड्रेड परसेंट पौधे को बचाना है पौधे लगाकर छोड़ न दिया जाए उनका स्वालंबी होने तक निरंतर देखभाल करते रहना चाहिए । किसानों को प्रोत्साहित किया जाए उन्हें समझाया जाए की पौध रोपण के लाभ क्या–क्या है उनको भी कुछ प्रोत्साहित राशि दिया जाए जो अपने खेतों के मेड़ो पर लगा सके।

बसपा के विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता समीक्षा बैठक में संगठन के मजबूती पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बहुजन समाज पार्टी की विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता समीक्षा बैठक रविवार को बड़े वन के निकट स्थित एक मैरेज हाल में सम्पन्न हुई। बसपा जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम ने बताया कि इसी कड़ी में पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री मायावती के दिशा निर्देश के अनुरूप सभी पांच विधानसभा क्षेत्रों बस्ती सदर, महादेवा, रुधौली, हरैया, कप्तानगंज में अलग–अलग स्थानों पर समीक्षा बैठक की गई।

बस्ती सदर विधानसभा क्षेत्र के विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता समीक्षा बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये पूर्व एमएलसी और वर्तमान मण्डल प्रभारी गोरखपुर– बस्ती मण्डल डा. विजय प्रताप ने कहा कि बूथ और सेक्टरों को मजबूत कर बसपा आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में जमीनी कार्यकर्ताओं के बूते मजबूत सरकार बनायेगी।

–मजबूत संगठन के बूते 2027 में बसपा बनायेगी सरकार–डा. विजय प्रताप

समीक्षा बैठक को जिला संयोजक भाई चारा कमेटी के.सी. मौर्य, कृपाशंकर गौतम ने सम्बोधित करते हुये कहा कि पार्टी बूथ और सेक्टरों को जमीनी धरातल पर मजबूत कर रही है। अध्यक्षता करते हुये बसपा जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम ने बताया कि जनपद के सभी पांचों विधानसभा क्षेत्रों में बूथ और सेक्टरों का गठन करने के साथ ही उसे मजबूत बनाया जा रहा है। इन्ही समर्पित जमीनी कार्यकर्ताओं के बूते बसपा सूबे में सरकार बनायेगी।

बैठक के दौरान भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी मोहन गौतम, भाजपा साऊंघाट युवा मोर्चा के पूर्व मण्डल अध्यक्ष ओम चौहान सहित बड़ी संख्या में लोगों ने बसपा की सदस्यता ग्रहण किया। बैठक में मुख्य रूप से जुगुल किशोर चौधरी, प्रमोद कुमार, दीपक कुमार, आदित्य राना, विनय अम्बेडकर, भूपेन्द्र कुमार, राजेश प्रताप सिंह, यशवन्त निगम, तबारक अली, उमाशंकर राव, दिलीप कुमार, योगेन्द्र चौधरी, उमाशंकर, अनूप एडवोकेट, शिवराम कन्नौजिया, सुभाष गौतम, शनि कुमार, डा. सुरेन्द्र, अवनीश कुमार, झिनकान प्रसाद, जगबली, राजेन्द्र प्रसाद, वीरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार, अजय यादव, चंचल गौड़, विपिन नाई, जोखन प्रसाद, संदीप गौतम, सुभाष राव, रवि राना, मनोज कुमार, प्रदीप गौतम, विश्वनाथ गौतम, बृजेश कुमार, बब्लू, करीम, आरती, मिसलावती, विन्दा देवी, मुन्नी देवी, गुड़िया, महेन्द्री देवी के साथ ही अनेक बूथ सेक्टर प्रभारी और बसपा नेता शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती

बस्ती 23 जून 2025 सोमवार

सम्पादकीय

कानून व्यवस्था पर उठती उंगलियां

उत्तर पदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार दयनीय होती जा रही है। उच्चाधिकारी लोगों की सुन नहीं रहे हैं और लोगों की मुश्किलें बढती जा रही है। पिछले कुछ वर्षों से उत्तर प्रदेश में अपराध रोकने के लिए हर स्तर पर चौकसी बरतने और अपराधियों पर नकेल कसने का दावा किया जा रहा है। इस क्रम में कई बार इतनी तेजी देखी गई कि मामले की ठीक से पड़ताल करने में पर्याप्त गंभीरता नहीं बरती गई। गौरतलब है कि बरेली में एक व्यक्ति को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और उसे तीन वर्ष तक जेल में बंद रहना पड़ा। मगर विचित्र है कि जेल में बंद रहे शख्स पर जिस व्यक्ति की हत्या का आरोप था, वह जिंदा है।

ट्रेन में विवाद के बाद हत्या के आरोप के बाद एक शव पाया गया था और मृतक के परिजनों की पहचान के आधार पर ही आरोपी की गिरफ्तारी हुई थी। इस मामले का भी खुलासा नहीं होता, अगर जिंदा पाए गए व्यक्ति के परिजनों ने उसका वीडियो सोशल मीडिया पर जारी न किया होता। इसके बाद ही कथित हत्या के आरोप में बंद व्यक्ति की रिहाई हो सकी।

किसी आपराधिक मामले की जांच को लेकर हर स्तर पर पुष्टि और सावधानी के साथ मामले का विश्लेषण न किया जाए तो उसके नतीजों का अंदाजा लगाया जा सकता है। सवाल है कि घटना की छानबीन या पड़ताल के क्रम में क्या कोई ऐसा तरीका अपनाया गया या गवाहों के दावे की जांच में कोई कोताही बरती गई, जिसकी वजह से नाहक ही किसी को तीन वर्ष जेल में काटना पड़ा। ऐसा लगता है कि हत्या जैसे जघन्य अपराध के मामले में जांच के क्रम में जिस अतिरिक्त सावधानी की जरूरत होती है, उसमें कहीं न कहीं लापरवाही बरती गई।

इस घटना में एक प्रश्न अब भी अनुत्तरित है कि जो शव ट्रेन की पटरियों के पास पाया गया था, वह किसका था और उसकी मौत कैसे हुई थी। दरअसल, उत्तर प्रदेश में अपराध पर काबू पाने के दावे में कई बार जैसी हड़बड़ी देखी जा रही है, उसमें इस तरह की लापरवाही सामान्य लगती है। यह छिपा नहीं है कि एक ओर सरकार अपराधा और अपराधियों को खत्म करने का दावा कर रही है, दूसरी ओर आपराधिक घटनाएं बेलगाम बढ़ती दिख रही हैं।

वही दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में गिरोहबंद कानून के दुरुपयोग के खिलाफ आवाज उठने लगी है। ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि इस कानून का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों का दमन करने, किसी का उत्पीड़न करने या बदनाम करने के लिए भी किया जाता है। इस संबंध में लोग अदालतों के दरवाजे खटखटाने लगे हैं। बिना किसी उचित प्रक्रिया और पर्याप्त सबूत के, लोगों को जिस तरह गिरफ्तार किया जाता रहा है, उस पर अदालतों ने कई बार चिंता जताई है।

दरअसल, इस कानून के तहत मिले अधिकारों का इस्तेमाल कई बार पुलिस विवेकपूर्ण तरीके से नहीं करती है। हालांकि, इस तरह के आचरण पर अंकुश के लिए दिशा–निर्देश लागू किए जा चुके हैं। मगर चिंता की बात है कि यह मनमानी थमी नहीं। लिहाजा, शीर्ष न्यायालय को एक बार फिर याद दिलाना पड़ा कि इस कानून को विवेकपूर्ण तरीके से लागू किया जाना चाहिए।

अदालत ने उत्तर प्रदेश में इस संबंध में दर्ज एक प्राथमिकी को खारिज करते हुए 'यूपी गैंगस्टर्स एक्ट' जैसे कठोर कानून के नियमित इस्तेमाल को लेकर चेताया है। साथ ही यह भी कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी तब और महत्त्वपूर्ण हो जाती है, जब इस तरह के कड़े प्रावधान वाले असाधारण कानून को अमल में लाया जाता है।

यह चिंता की बात है कि राज्य को दी गई इस शक्ति का इस्तेमाल संगठित गिरोहों के अलावा साधारण अपराध से जुड़े मामलों या राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को परेशान करने के लिए भी होने लगा है। इसीलिए शीर्ष न्यायालय ने फिर स्पष्ट कर दिया है कि इस कानून को धमकी के साधन के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता, खासकर उस समय जब राजनीतिक मंशा काम कर रही हो। उत्तर प्रदेश में कुछ वर्ष पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय की सख्ती के बाद इस कानून के दुरुपयोग के लिए राज्य की ओर से नए दिशा–निर्देश जारी किए गए थे।

सवाल है कि अगर किसी के खिलाफ संगठित अपराध से जुड़े होने का सबूत नहीं है, तो उसे गिरोहबाज कैसे कहा जा सकता है? ऐसे में उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करना क्या अन्याय नहीं? शीर्ष अदालत की चेतावनी को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

दुग्धशाला की शक्ति से आयेगी आत्मनिर्भरता

–डॉ.शंकर सुवन सिंह –

दूध में कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक, फास्फोरस, आयोडीन, आयरन, पोटैशियम, फोलेट्स, विटामिन ए, विटामिन डी, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी–12, प्रोटीन आदि मौजूद होते हैं। गाय के वसा रहित दूध (स्किम्ड मिल्क) में कोलेस्ट्रॉल 2–5 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर होता है। पूर्ण वसा (फुल क्रीम) वाले दूध में कोलेस्ट्रॉल 10–15 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर होता है। आंकड़ों के अनुसार एक स्वस्थ्य व्यक्ति 300 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल प्रतिदिन ले सकता है। अतएव दूध पीने से ह्रदयघात होने की संभावना नगण्य होती है। दूध में मुख्यतः केसिन और व्हेय नामक दो प्रोटीन पाए जाते हैं। दूध में प्रोटीन का 80 प्रतिशत हिस्सा केसिन के रूप में होता है और बाकी 20 प्रतिशत हिस्सा व्हे का होता है। दूध में व्याप्त केसिन प्रोटीन, कैल्शियम और फॉस्फेट के साथ मिलकर छोटे छोटे कण बनाते हैं जिन्हें मिसेल्स कहा जाता है। जब प्रकाश इन मिसेल्स से टकराता है तो यह प्रकाश अपरिवर्तित होकर फैल जाता है। दूध में पाए जाने वाला वसा के कण (फैट ग्लोबुल्स) भी प्रकाश के प्रकीर्णन का कारण बनते हैं। अतएव दूध का रंग सफेद दिखाई देता है। कहने का तात्पर्य यह है कि जिस दूध में जितना ज्यादा वसा (फैट) होगा उसका रंग उतना ही सफेद दिखाई देगा। गाय के दूध में भैंस के दूध की अपेक्षा वसा (फैट) कम होता है और केसिन नामक प्रोटीन भी कम होता है। इसलिए गाय का दूध हल्का पीला दिखाई देता है। दूध में कैरोटीन और कैसिन नामक दो वर्णक (पिगमेंट) होते हैं जो उसके रंग को प्रभावित करते हैं। अतएव कैरोटीन की वजह से गाय के दूध में हल्का पीला रंग होता है, जबकि कैसिन की वजह से दूध का रंग सफेद होता है। भैंस के दूध में केरोटीन कम होता है और फैट ज्यादा। जबकि गाय के दूध में केरोटीन ज्यादा और फैट अपेक्षाकृत कम होता है। अतएव हम कह सकते हैं कि दूध एक अपारदर्शी, सफेद तरल उत्पाद है।

डेयरी शब्द को दुग्ध उद्योग से जोड़ कर देख सकते हैं। दूध को विभिन्न डेरी उत्पादों में परिवर्तन के लिए प्रसंस्करण किया जाता है। दूध के विभिन्न उप उत्पाद भी होते हैं जिन्हे तकनीकी भाषा में मिल्क बाई प्रोडक्ट (दूध के उप उत्पाद) भी कहा जाता है। डेयरी उत्पाद में दूध प्राथमिक घटक के रूप में प्रयोग होता है। जैसे की दूध, दही, पनीर, आइसक्रीम। डेयरी उप उत्पादों में व्हेय, छाछ, स्किम मिल्क, घी के अवशेष (घी रेजिड्यू) आदि आते हैं। दूधऔर डेयरी (दुग्धशाला) का सम्बन्ध बगिया और माली जैसा है। जिस प्रकार एक माली अपनी बगिया को सींचता और सम्हालता है। उसी प्रकार एक माली रूपी डेयरी (दुग्धशाला), बगियारूपी दूध को सम्हालता और संरक्षित करता है। डेयरी (दुग्धशालाएँ) दूध की सुंदरता और उनकी दिव्यता का द्योतक है। दूध का रखरखाव और उसको ताजा बनाए रखने की जिम्मेदारी डेयरी (दुग्धशाला) की होती है। जिसको तकनीकी भाषा में शेल्फ लाइफ ऑफ मिल्क कहा जाता है। अर्थात दूध की पोषकता को लम्बे समय तक बनाए रखना। पोषकता का सम्बन्ध शुद्धता से होना चाहिए। शुद्ध दूध ही एक स्वस्थ्य शरीर का परिचायक है। डेयरी उद्योगों (दुग्धशालाओं) के लिए शुद्धता ही प्राथमिकता होनी चाहिए। अधिकांश डेयरी उद्योग (दुग्धशालाएं) शुद्धता का ख्याल रखते हैं और शुद्ध दूध को ही जन जन तक पहुँचाते हैं। भारत में ब्रांडेड डेयरी (दुग्ध्शाला) में अमूल, पारस, ज्ञान, नमस्ते इंडिया, सुधा, आदि डेयरी आती है। भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में भी बहुत सी लोकल सर्टिफाइड डेयरी (दुग्धशालाएँ) काम कर रही हैं। ये सभी गुणवत्ता व शुद्धता के मामले में काफी आगे हैं। ये सभी डेयरी दूर दराज में रहने वाले लोगों के लिए राम बाण साबित होती हैं। जिस शहर और क्षेत्र में दुग्ध उत्पादन की कमी होती है, वहाँ इन डेयरी (दुग्ध्शाला) द्वारा कमी को पूरा किया जाता है। कुल मिलाकर जनसँख्या के हिसाब से दूध की जितनी खपत है भारत दूध का उतना उत्पादन करने में सक्षम है। अतएव हम कह सकते हैं कि दुग्धशालाएं, दूध को संरक्षित और सुरक्षित करती हैं। विश्व में भारत दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान रखता है। वर्ष 2025 में विश्व दुग्ध दिवस की 25 वीं वर्षगाँठ मनाई जा रही है। विश्व दुग्ध दिवस प्रत्येक वर्ष 1 जून को मनाया जाता है। विश्व दुग्ध दिवस 2025 का थीम प्रसंग है– आइए डेयरी की शक्ति का जश्न मनाएं। असली मायने में हम डेयरी की शक्ति का जश्न तभी मना सकते हैं जब हर घर दूध और दूध से बने उत्पाद शुद्धता के साथ पहुंचे। डेयरी उत्पाद का शुद्ध होना आवश्यक है। शुद्धता ही असली स्वास्थ्य की निशानी है। तभी हम कह सकते हैं कि दूध व दूध से बने उत्पाद वैश्विक पोषण का आधार हैं। भारत में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड डेयरी उद्योग के विस्तार के लिए काम करती है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एन डी डी बी) के संस्थापक डॉ. वर्गीस कुरियन थे। डॉ. वर्गीस कुरियन को भारत में श्वेत क्रांति का जनक भी कहा जाता है। लोगों या किसानों को डेयरी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार की कुछ योजनाएं हैं जिनका लाभ उठाया जा सकता है। भारत सरकार की डेयरी उद्यमिता विकास योजना (डी ई डी एस) के तहत आम नागरिक और किसान मिल्क कलेक्शन सेंटर खोल सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की नंदिनी कृषक समृद्धि योजना, कामधेनु डेयरी योजना, नंद बाबा डेयरी मिशन आदि योजनाएं एक सफल डेयरी उद्योग खोलने में मदद कर सकती हैं। अतः बिना डेयरी उद्योग (दुग्धशाला) के दूध की दिव्यता अधूरी है। यह कहने में अतिश्योक्ति नहीं होगी कि दूध की दिव्यता का स्रोत डेयरी (दुग्धशाला) ही हैं। डेयरी (दुग्धशाला) सेक्टर आत्मनिर्भरता की कुंजी है। देश में बढ़ते डेयरी उद्योग लोगों को आत्मनिर्भर बना रहे हैं। आत्मनिर्भरता स्वतन्त्रता का सूचक है। स्वतन्त्रता सकून और शांति को जन्म देती है। अतएव हम कह सकते हैं कि आत्मनिर्भरता डेयरी (दुग्धशाला) की शक्ति का परिचायक है।

इंस्टाग्राम के समय में तीर्थयात्रा और पर्यटन

–सचिन त्रिपाठी–

आज की दुनिया में जहां हर क्षण एक स्टोरी है, हर भाव एक फिल्टर में ढलता है, वहां तीर्थयात्रा और पर्यटन के बीच की रेखा धुंधली हो गई है। यह वह युग है, जहां नयनाभिराम दृश्य नयन नहीं, लेंस से देखे जाते हैंय और जहां यात्रा का उद्देश्य आत्मशांति नहीं, 'एंगेजमेंट' होता है। यथा एक यूट्यूबर ने एक बार केदारनाथ धाम में ध्यानमग्न एक साधु से पूछा कि इतने वर्षों से आप मंदिर में दर्शन को आ रहे हैं। आपको क्या अंतर प्रतीत हुआ? साधु का उत्तर था, पहले लोग दोनों हाथ जोड़कर मंदिर के सम्मुख खड़े होते थे। अब एक हाथ में मोबाइल आ गया है। यह आलेख ऐसी ही जीवंत घटनाओं के उदाहरणों के साथ साथ एक आत्मविश्लेषण है उस परिवर्तन का जो आस्था को 'हैशटैग' में और मोक्षमार्ग को 'रील्स' में बदल रहा है।

भारत जैसे देश में, जहां हजारों सालों से तीर्थयात्राएं आध्यात्मिक साधना रही है, वहां यह सिर्फ एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं अपितु जीवन की तपस्या रहीं। काशी, गया, द्वारका, बद्रीनाथ, जगन्नाथ, वैष्णो देवी, सोमनाथ, वृंदावन या अयोध्या..। ये स्थान आत्मबोध की भूमि थे। यहां धर्मावलंबी, श्रद्धालु अपने पाप धोने, आत्म शांति खोजने एवं मोक्ष की ओर बढ़ने के भाव से आते थे। चिलचिलाती धूप, कंधों पर कांवड़, नंगे पांव की यात्रा और मन में सिर्फ ईश्वर का नाम यही तीर्थयात्राओं का मूल भाव रहा है। परंतुय आज वही तीर्थयात्राएं, इंस्टाग्राम स्टोरीज की 'वाइब्रेंट रील्स' में तब्दील हो गई हैं। अब यात्री की चिंता यह नहीं कि मन कितनी श्रद्धा में डूबा है, अपितु, यह है कि फोटो में कितना 'एस्थेटिक' बैकग्राउंड है। पर्यटन हमेशा से आनंद, मनोरंजन और सांस्कृतिक खोज का जरिया रहा है। लोग पहाड़ों, समुद्रों, ऐतिहासिक स्थलों और बाजारों में घूमते थे ताकि वे अपनी दुनिया से हटकर कुछ नया देख सकें। मगर अब पर्यटन भी प्रदर्शन का माध्यम बन गया है – 'अगर तुमने पोस्ट नहीं किया, तो क्या तुम गए भी थे?"

इंस्टाग्राम कल्चर में पर्यटन अब सिर्फ घूमने का नाम नहीं रह गया बल्कि वह एक डिजिटल परफॉर्मेंस है। यह दिखाने का मंच है कि आप कितने 'एक्सप्लोरर', कितने 'एस्थेटिक ट्रैवलर', कितने 'फ्री स्पिरिट' हैं। आज अगर आप वाराणसी जाएं तो घाटों पर उतनी प्रार्थनाएं नहीं दिखेंगी जितने मोबाइल कैमरे। केदारनाथ में श्रद्धालु से ज्यादा कंटेंट क्रिएटर दिखते हैं। अमरनाथ के रास्ते में जितनी पवित्रता नहीं, उतना ट्रैवल व्लॉग दिखता है। तीर्थ अब पर्यटन स्थल बन गए हैं और श्रद्धा अब 'हैशटैग' में तब्दील हो गई है। लोग मंदिरों में प्रवेश से पहले जूते नहीं, कैमरा ट्राइपॉड उतारते हैं। दर्शन से पहले 'सेल्फी विद गॉड' जरूरी हो गई है। क्या यह सिर्फ आलोचना है या परिवर्तन की स्वाभाविक धारा है? यह जरूरी नहीं कि हर बदलाव बुरा ही हो। सोशल मीडिया के माध्यम से तीर्थ स्थलों को नई पीढ़ी जान रही है, देख रही है और वहां जाने की प्रेरणा ले रही है। कई युवाओं के लिए यह माध्यम धार्मिक रुचि जगाने का साधन भी बना है। इंस्टाग्राम पर जब कोई केदारनाथ में शिव की भक्ति में डूबी तस्वीर साझा करता है तो वह केवल दिखावा नहीं होता। कई बार वह श्रद्धा की डिजिटल अभिव्यक्ति भी होती है।

मूल समस्या तब आती है जब यात्रा का केंद्र बिंदु बदल जाता है। अगर तीर्थयात्रा केवल सुंदर तस्वीरों और वीडियो के लिए की जाती है और आस्था केवल ' रील्स' के लिए होती है तो वह तीर्थ नहीं पर्यटन है और जब पर्यटन भी केवल दूसरों को दिखाने का माध्यम बन जाता है, तब वह अनुभव नहीं, अभिनय बन जाता है। तीर्थ का अनुभव कभी मौन होता था, भीतर उतरने वाला। अब वह डीजे वाले भजन, ड्रोन शॉट्स और 'फुल सिनेमैटिक एक्सपीरियंस' में तब्दील हो गया है। जो भाव पहले मन में जागते थे, अब वे एडिटिंग ऐप में डाले जाते हैं।

जब यात्रा का मकसद आध्यात्मिक नहीं, सामाजिक मान्यता हो तो यह एक भीड़ पैदा करता है दृ एक ऐसी भीड़ जो दर्शन के लिए नहीं, 'फ्रेम' के लिए आती है। यह भीड़ धार्मिक स्थलों की पवित्रता को भी प्रभावित करती है। गंदगी, शोर, अनुशासनहीनता, व्यवसायीकरण दृ यह सब तीर्थ स्थलों पर दिखने लगा है। इंस्टाग्राम के ट्रेंड ने कई तीर्थ स्थलों को पर्यटन हब में बदल दिया है। होटल, कैफे, इंस्टा फ्रेंडली कॉर्नर, भव्य गेटवे। यह सब अब तीर्थ स्थलों की पहचान बन रहे हैं। यहां तक कि मंदिरों के बाहर 'फोटो बूथ' बनने लगे हैं दृ "हैशटैग श्रीराम जोन", "हैशटैग हरहरमहादेव स्पॉट" । इस बदलाव को नकारना व्यर्थ है लेकिन इस पर नियंत्रण जरूरी है। तीर्थयात्रा को पर्यटन में तब्दील होने से बचाने के लिए धार्मिक स्थलों की अपनी आचार संहिता होनी चाहिए, जैसे दृ कैमरा उपयोग की सीमा तय हो, फोटोशूट की अनुमति मंदिर के भीतर न हो, मौन, अनुशासन और स्वच्छता को बढ़ावा दिया जाए, यात्रा का उद्देश्य प्रचार न होकर प्रेरणा हो।

इंस्टाग्राम संस्कृति ने हमारे यात्रा अनुभवों में दृश्यता और साझा करने की सुविधा दी है लेकिन इसने आत्मिक अनुभवों को सतही भी बना दिया है। तीर्थयात्रा आत्मा की भूख है जबकि पर्यटन मन का सुख। अगर हम तीर्थ को भी सिर्फ कैमरे की नजर से देखेंगे तो उसकी पवित्रता खो जाएगी। तीर्थ को अनुभव करना है, दर्शाना नहीं। इसलिए अगली बार जब आप तीर्थ जाएं, तो एक तस्वीर खींचिए३ पर एक क्षण अपने भीतर भी उतारिए दृ क्योंकि वहां कोई 'फिल्टर' नहीं, सिर्फ सच्चाई है।

क्या भूख की तस्वीर लेना जरूरी है?

–प्रियंका सौरभ–

सोशल मीडिया के युग में भलाई और करुणा अब मौन संवेदनाएँ नहीं रहीं, वे कैमरे के फ्रेम में कैद होती जा रही हैं। आज अधिकांश मदद 'लाइक्स' और 'फॉलोवर्स' के लिए की जाती है, न कि सच्ची इंसानियत से। सहायता अब एक 'कंटेंट' बन चुकी है और जरूरतमंद की गरिमा अक्सर इस प्रदर्शन की भेंट चढ़ जाती है। यह लेख हमें आत्मपरीक्षण की ओर ले जाता हैकृक्या हम वाकई मदद कर रहे हैं या बस सोशल मीडिया पर नेकी की तस्वीर गढ़ रहे हैं?

आज का युग 'डिजिटल करुणा' का युग बन चुका है, जहाँ इंसानियत, परोपकार, और सहानुभूति जैसे मूल्य अब मौन संवेदनाओं की बजाय कैमरे की फ्लैश में दर्ज होते हैं। पहले जहाँ "नेकी कर दरिया में डाल" की परंपरा जीवित थी, अब वह बदलकर "नेकी कर, सोशल मीडिया पर डाल" हो चुकी है। इस लेख के माध्यम से हम इसी प्रवृत्ति की साहित्यिक और सामाजिक समीक्षा करेंगे। भलाई की भावना मनुष्य की सबसे पवित्र प्रवृत्तियों में से एक है। यह वह स्वाभाविक मानवीय गुण है जो हमें संवेदना, दया, और परस्पर सहयोग की ओर प्रेरित करता है। किन्तु आज के समय में यह गुण मंच पर आ चुका हैकृएक ऐसा मंच जहाँ तालियाँ हैं, टिप्पणियाँ हैं, और सबसे जरूरी, एक कैमरा है जो हर क्षण को "दृश्य" बनाता है।

एक समय था जब कोई वृद्ध भूखा दिखता, तो राह चलते लोग बिना कुछ कहे, बिना देखे, उसे कुछ खाने को दे जाते थे। आज वही द्रश्य होता है, लेकिन कैमरा पहले निकाला जाता है। भूखे की थाली से ज्यादा अहमियत उस एंगल की होती है, जिसमें वह थाली दिखाई दे। सेवा अब सीधी नहीं रही, वह एक स्क्रिप्टेड ऐक्ट में बदल गई है।आधुनिक मानव की आत्मा अब लाइक्स, शेयर, कमेंट्स की भूखी हो चली है। किसी की मदद करने के बाद हमें तसल्ली तब मिलती है, जब कोई कहे, "वाह, आप तो बड़े नेकदिल हैं।" पहले मदद करने के बाद मन को जो संतोष मिलता था, अब वह 'फॉलोवर्स बढ़ने' के संतोष से बदला जा चुका है।

यह न केवल इंसानियत की आत्मा को खरोंचता है, बल्कि मदद पाने वाले की गरिमा को भी आहत करता है। वह व्यक्ति जिसे मदद मिली है, उसकी जरूरतें तो पूरी होती हैं, लेकिन उसकी निजता, उसकी आत्मसम्मान की परतें एक–एक कर सोशल मीडिया के सामने उतार दी जाती हैं। सोचिए, अगर कोई कैमरा न हो, कोई दर्शक न हो, कोई ताली बजाने वाला न होकृक्या तब भी आप वही मदद करेंगे? यह प्रश्न हमारे भीतर झाँकने की जरूरत को इंगित करता है। करुणा यदि सच्ची है, तो वह गुमनाम रहेगी। यदि उसमें प्रदर्शन है, तो वह करुणा नहींकृडिजिटल ब्रांडिंग है।

आज कई बार लगता है कि सहायता करना एक स्क्रिप्टेड इवेंट बन चुका है। वीडियो में सबसे पहले मदद मिलने वाले व्यक्ति की दयनीय स्थिति को दिखाया जाता है, फिर सहायता प्रदान की जाती है, और अंत में किसी नायक की तरह मददकर्ता का चेहरा। यह सब इतनी सफाई से किया जाता है कि वीडियो फिल्म जैसी लगती हैकृसंगीत के साथ, टाइटल के साथ, और अंत में एक गूढ़–सा संदेश। इस सारी प्रवृत्ति में सबसे अधिक पीड़ित होती है नैतिकता। किसी की जरूरत को दिखावा बना देना उस व्यक्ति के अस्तित्व पर हमला है। एक भूखे की भूख अगर कैमरे में रिकॉर्ड न हो तो क्या उसका दुख कम है? क्या दया केवल तभी योग्य है जब वह पब्लिक डोमेन में हो?

यह नई नैतिकता सिर्फ दूसरों के सामने दिखने के लिए जीती है। अब 'कृपा' भी एक मुद्रा बन गई हैकृ जिसे दिखाना पड़ता है, गिनाना पड़ता है। स्वार्थरहित सेवा का स्थान स्वार्थयुक्त प्रदर्शन ने ले लिया है। यह सब सुनकर अब साहित्यकार की लेखनी व्यंग्य से भर जाती है। कल्पना कीजिए एक दृश्यकृएक व्यक्ति सड़क किनारे बेहोश पड़ा है। एक 'सोशल वॉरियर' आता है, और उसके साथ उसका कैमरामैन। सबसे पहले कुछ तस्वीरें, फिर एक वीडियोरू "हमने इनको उठाया, पानी पिलाया, एंबुलेंस बुलाई" और फिर कैप्शनरू "हम सब मिलकर बदलाव ला सकते हैं"।

कमेंट्स आते हैं"वाह भाई साहब, आप तो फरिश्ता हैं।" किसी को यह नहीं सूझता कि क्या वह व्यक्ति कैमरे में आना चाहता था? क्या उसे अपने जीवन की सबसे कमजोर अवस्था में पब्लिकली दिखाया जाना चाहिए था? आज नेकी भी एक पूंजी बन गई है। इसका बाजार भाव बन गया है। जो जितनी ज्यादा भलाई करता है (या कहें, दिखाता है), उसका सामाजिक रेटिंग उतना ही ऊँचा हो जाता है। कई बार यह भलाई राजनीतिक होती है, कभी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (ब्ल्) के तहत होती है, और कभी व्यक्तिगत ब्रांड निर्माण के लिए। ऐसे में वास्तविक करुणा कहाँ छिप जाती है? क्या वह अब केवल कविता में जीवित रह गई है? क्या वह अब सिर्फ कबीर और तुलसी के दोहों में ही साँस लेती है?

सोचने का समय आ गया है। मदद करने वाला बड़ा है या मदद पाने वाला? यदि कोई भूखा है, तो क्या उसकी भूख की तस्वीर लेना जरूरी है? क्या उसकी सहमति जरूरी नहीं? यदि हम उसे मदद देते समय उसकी पीड़ा को 'कंटेंट' बना दें, तो क्या हम वास्तव में सहायता कर रहे हैं या उसका उपभोग कर रहे हैं? आज जब भलाई की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तैरती हैं, तो कहीं–न–कहीं वे समाज को एक नई दिशा दे रही हैंकृएक ऐसी दिशा जहाँ सेवा भी दिखावे का अंग बन चुकी है। यह आवश्यक है कि हम पुनः आत्मपरीक्षण करें।

भलाई मौन होती है, और उसका असर चुपचाप दिलों में उतरता है। यदि हमें सच में इस समाज को बेहतर बनाना है, तो जरूरत है कि हम बिना कैमरे, बिना मंच, और बिना स्वार्थ के किसी की मदद करें। नेकी कोई तस्वीर नहीं, वह तो संवेदना की वह रेखा है जो दिल से दिल तक जाती है बिना कोई सबूत माँगे।

सीएम के एक कार्यक्रम के लिए दो बार भुगतान

ठेकेदार महेंद्र सिंह, आरोपी

संवाददाता–गोण्डा। 2 फरवरी को आयोजित विश्व आर्द्रभूमि दिवस के कार्यक्रम में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। इस आयोजन की जिम्मेदारी जिस फर्म को दी गई थी, उस पर एक ही काम के लिए दो अलग–अलग विभागों से डबल भुगतान लेने का आरोप है। मामले में गोंडा लोक निर्माण विभाग (च्ॅक्) के अवर अभियंता ने नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। कार्यक्रम की जिम्मेदारी महेंद्र सिंह टेंट हाउस, झिलाही बाजार (थाना मनकापुर) को दी गई थी। आयोजन का खर्च वन विभाग और पीडब्ल्यूडी ने साझा किया था। आरोप है कि फर्म ने छह अलग–अलग मदों में 13 से 14 लाख रुपए तक का अतिरिक्त भुगतान लिया।

पीडब्ल्यूडी खंड–1 के अवर अभियंता ललित कुमार पाठक की तहरीर पर महेंद्र सिंह टेंट हाउस के खिलाफ ठछ्ै की संबंधित धाराओं में केस दर्ज हुआ है। आरोप है कि फर्म ने च्ॅक् और वन विभाग दोनों से एक ही सेवा के लिए भुगतान लिया और उसमें भी कुछ मदों में 13 लाख रुपए से अधिक का अतिरिक्त भुगतान दिखाया गया। पार्वती अरगा पक्षी विहार में भारत सरकार की ओर से विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आए थे।

फर्म के प्रोपराइटर का कहना है कि वन विभाग से उन्हें 29 लाख रुपए भुगतान मिला, जबकि एफआईआर में 19 लाख का ही जिक्र किया गया है। उनका सवाल है कि अगर वन विभाग से 10 लाख ज्यादा भुगतान हुआ, तो थ्प्त् में उसका उल्लेख क्यों नहीं किया गया। उनका कहना है कि जब तक दोनों विभागों की पेमेंट डिटेल्स सार्वजनिक नहीं की जातीं, तब तक यह तय करना मुश्किल है कि गलती किसकी है फर्म की या विभाग की। पुलिस ने एफआईआर के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पार्वती अरगा पक्षी विहार में भारत सरकार की ओर से विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर दो सरकारी विभागों– पीडब्ल्यूडी और वन विभाग ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया था। कार्यक्रम में सीएम योगी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की थी, जबकि जलवायु एवं वन पर्यावरण राज्य मंत्री और गोंडा के सांसद कीर्तिवर्धन सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए थे।

इस अवसर के लिए पार्वती अरगा पक्षी विहार परिसर में वाटरप्रूफ पंडाल लगाकर अतिथियों के बैठने की समुचित व्यवस्था की गई थी। इतना ही नहीं, आए हुए लोगों के लिए सूक्ष्म जलपान सहित तमाम अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी वहां पूरी तरह मुकम्मल की गई थीं। इस कार्यक्रम की पूरी जिम्मेदारी झिलाही बाजार स्थित जीएसटी पंजीकृत फर्म 'महेंद्र सिंह टेंट हाउस' को सौंपी गई थी। विभाग ने एफआईआर दर्ज करा दी है।

इस कार्यक्रम की पूरी जिम्मेदारी झिलाही बाजार स्थित जीएसटी पंजीकृत फर्म 'महेंद्र सिंह टेंट हाउस' को सौंपी गई थी। विभाग ने एफआईआर दर्ज करा दी है। कोतवाली नगर में दर्ज एफआईआर में बताया गया है कि श्महेंद्र सिंह टेंट हाउसश नाम के फर्म, जिसे मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, उसने एक नहीं, बल्कि दो–दो विभागों से खर्च से कहीं अधिक भुगतान प्राप्त कर लिया है। जिसमें कुल मिलाकर छह मदों में 13 लाख रुपए अतिरिक्त भुगतान किए जाने की बात सामने आई है।

नगर पालिका अध्यक्ष ने सफाई और स्ट्रीटलाइट व्यवस्था में सुधार के दिए निर्देश

संवाददात–महराजगंज। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष डॉ. पुष्पलता मंगल ने रविवार को मुजहना टोला क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की स्थिति देखी। अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में गंदगी की कोई शिकायत नहीं आनी चाहिए।

अध्यक्ष ने खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत के आदेश दिए। उन्होंने रोशनी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। इसके बाद वे इंदिरा नगर स्थित राइजिंग स्टार एकेडमी पहुंचीं। वहां चल रहे निर्माण कार्य की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य को समय पर पूरा करने पर जोर दिया। संबंधित विभाग को निरंतर निगरानी के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष प्रतिनिधि निर्मेश मंगल, ऋषभ दुबे, सफाई नायक इंद्राशन और सतीश मौजूद रहे। बड़ी संख्या में वार्डवासी भी उपस्थित थे।

विधायक और पत्रकार को धमकी देने वाला युवक गिरफ्तार, कहा– नशे में किया था कॉल

संवाददाता–देवरिया। यूपी के देवरिया में सदर विधायक व पत्रकार को जान से मारने की धमकी देने वाले को कोतवाली पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चार टीमें लगाई गई थी। पूछताछ के बाद पुलिस ने उसका शांतिभंग में चालान कर दिया। पत्रकार संतोष विश्वकर्मा के मोबाइल पर 18 जून की दोपहर बाद फोन आया। फोन करने वाले ने अपना नाम रोहित यादव बताया और उसने धमकी भरे शब्द में कहा कि तुम कहां हो, तुमको आज गोली मारनी है। इसी बातचीत में उसने सदर विधायक को भी मारने की धमकी दी। इसके अलावा संतोष के मोबाइल पर असलहे की फोटो भी भेजा। मामले की गंभीरता को देखते हुए संतोष विश्वकर्मा ने तत्काल कोतवाली पुलिस के साथ एसपी को भी जानकारी दी।

इस मामले में केस दर्ज कर जांच में जुटी कोतवाली पुलिस को अहम सुराग हाथ लग गए। आरोपी रोहित यादव पुत्र बैजनाथ यादव निवासी सोनाड़ी थाना भलुअनी द्वारा धमकी देने की बात सामने आई। उसका लोकेशन निकाला तो वह महाराष्ट्र में था। पुलिस ने दबाव बनाना शुरू किया तो आरोपी अपने घर आ गया। इसके बाद पुलिस ने उसे घर से ही गिरफ्तार कर लिया। उसकी गिरफ्तारी के लिए एसओजी समेत चार टीमें लगाई गई थीं।

रोहित यादव महाराष्ट्र में कारपेंटर का कार्य करता है। पुलिसिया पूछताछ में उसने बताया कि वह महाराष्ट्र में बुधवार को खाली था। दोपहर को ही शराब पी लिया और फिर इंस्टाग्राम खोल कर देखने लगा। इस बीच संतोष विश्वकर्मा का मोबाइल नंबर इंस्टाग्राम से निकाल लिया और फोन मिलाकर शराब की नशे में ही जान से मारने की धमकी दी। पुलिस सूत्रों की माने तो रोहित पहले से ही मनबढ़ है। इसने पहले भी कुछ अधिकारियों को इस तरह का फोन मिलाया है। हालांकि उन मामलों में कार्रवाई नहीं हुई थी।

इस मामले में सीओ देवरिया संजय कुमार रेड्डी ने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक व्यक्ति द्वारा आपत्तिजनक भाषा में धमकी देने संबंधी वायरल ऑडियो के मामले में केस दर्ज किया गया था। पुलिस की चार टीमें गिरफ्तारी के लिए लगाई गई थी। मामले में आरोपी रोहित यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अवैध रूप से बने मदरसे पर चला बुलडोजर

संवाददाता–श्रावस्ती। यूपी के अवैध मदरसों पर लगातार बुलडोजर एक्शन जारी है। संभल के बाद अब श्रावस्ती के अवैध मदरसे पर बुलडोजर चला है। दरअसल रविवार को प्रशासन की टीम ने सरकारी जमीन पर बने अवैध मदरसे पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया।

जमुनहा तहसील क्षेत्र के हरदत्त नगर गिरंट में गाटा संख्या 2430 राजस्व अभिलेख में खाद गड्ढे की भूमि के रूप में दर्ज है। इस जमीन पर अवैध कब्जा कर पक्का निर्माण करा लिया गया और उस पर जामिया रजविया शम्सुल उलूम के नाम से मदरसे का संचालन किया जा रहा था। अभियान के तहत मदरसे की जांच की गई थी तो मदरसा खाद गड्ढे की भूमि पर बना पाया गया, साथ ही मदरसा बगैर मान्यता के संचालित किया जा रहा था। रविवार को प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर सरकारी भूमि पर बने अवैध मदरसे को बुलडोजर से जमींदोज कर दिया गया।

इससे पहले शनिवार को संभल के मोहल्ला लक्ष्मनगंज में नगर पालिका की जमीन पर बनी मस्जिद को शनिवार को पुलिस, पीएसी और आरएएफ की मौजूदगी में खुद स्थानीय लोगों ने मजदूरों के साथ तोड़ना शुरू कर दिया। इससे पहले पालिका की ओर से अवैध कब्जे हटाने को लेकर नोटिस दिया गया था, जिसकी समय–सीमा शुक्रवार को समाप्त हो गई थी। शनिवार सुबह एसडीएम विनय मिश्रा, सीओ अनुज चौधरी, प्रभारी निरीक्षक, ईओ व भारी पुलिस बल के साथ दो जेसीबी लेकर मौके पर पहुंचे थे।

मस्जिद पक्ष के लोगों ने प्रशासन की सख्ती देखते हुए खुद ही शाम तक मस्जिद ध्वस्त करने का अनुरोध किया। इसके बाद उन्होंने मजदूर लगाकर तोड़फोड़ शुरू कर दी। सीओ अनुज चौधरी ने दो टूक कह दिया था यदि मस्जिद शाम तक ध्वस्त नहीं होती है तो रविवार से पालिका स्वयं कार्रवाई करेगी।

केंद्र सरकार की योजनाओं से गांवों में आया व्यापक बदलाव

संवाददाता–कुशीनगर। तमकुही विकास खंड के ग्राम पंचायत बरवा राजापाकड़ के बरवा टोला में भाजपा के पटहेरवा के मंडल उपाध्यक्ष संतोष कुमार गोंड के दरवाजे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण योजनाओं की जानकारी हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष श्रीनिवास राय ने कहा कि बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने तेज गति से विकास किया है। सरकार की प्राथमिकता रही है कि गरीब, किसान और मजदूर को सीधा लाभ मिले। आज हर योजना का असर गांव–गांव तक दिख रहा है और जनता स्वयं इनका लाभ उठा रही है।

मंडल उपाध्यक्ष संतोष कुमार गोंड ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाएं केवल कागजों में नहीं रहीं, बल्कि वास्तव में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना जैसी योजनाओं ने जरूरतमंदों तक राहत पहुंचाई है। बैठक में केंद्र सरकार की जनहित योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। इस दौरान श्याम किशोर, भुआल गोंड, हाफिज अंसारी, रमाकांत, लक्ष्मण, कुंदन, उमा गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

युवक की नहर में डूबकर मौत

संवाददाता–महराजगंज। कोल्हुई थाना क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। कुशहा गांव के पास नहर में नहाते समय पीएनसी साइट पर काम करने वाले एक मजदूर की डूबकर मौत हो गई। मृतक की पहचान बदायूं निवासी सत्येंद्र के रूप में हुई है।

सत्येंद्र अपने साथी मजदूरों के साथ नहर में नहाने गया था। वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। उसके साथियों ने उसे खोजने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हुए। घटना की सूचना मिलते ही सब–इंस्पेक्टर अंजनी कुमार और हरीश मौर्या मौके पर पहुंचे।

करीब दो घंटे तक शव की तलाश की गई। इसके बाद दरोगा अंजनी कुमार ने वर्दी पहने ही नहर में छलांग लगा दी। उनकी इस पहल से प्रेरित होकर कई स्थानीय युवक भी मदद के लिए आगे आए। कुछ ही देर में ग्रामीणों के सहयोग से शव को बाहर निकाल लिया गया।

घटना के दौरान पीएनसी का कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा।

हादसे के बावजूद पीएनसी के कर्मचारी घटनास्थल के पास पुल निर्माण कार्य में लगे रहे। इस गैर–जिम्मेदाराना रवैये को लेकर ग्रामीणों और मजदूरों में आक्रोश है।

युवक की मौत, ग्रामीणों ने सड़क किया जाम

चौराहे पर जुटी भीड़।

संवाददाता–देवरिया। रुद्रपुर के विट्ठलापुर गांव में पिटाई से घायल युवक भोलू निषाद की इलाज के दौरान हुई मौत के बाद उसका शव आते ही गांव वाले आक्रोशित हो गए। उन्होंने सेमरौना चौराहे पर शव रखकर सड़क जाम कर दिया और पुलिस से आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। इस मामले में पुलिस मारपीट कर हाथ पैर तोड़ने का दो नामजद एवं एक अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज की है। पुलिस ने आरोपियों पर हत्या का केस दर्ज कर तत्काल गिरफ्तारी का आश्वासन देकर जाम खाली कराने के प्रयास में जुटी हुई है।

पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह का कांग्रेस पर हमला

कैसरगंज के पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह।

संवाददाता–गोण्डा। कैसरगंज के पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने एक बार फिर राहुल गांधी पर निशाना साधा है। चुनाव आयोग को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए पूर्व सांसद ने कहा कि राहुल गांधी जो गाना व बजाना शुरू कर देते हैं, वही गाना वह बजाते रहते हैं। उनको ना तो चुनाव आयोग के ऊपर भरोसा है न न्यायपालिका पर भरोसा है न सरकार पर भरोसा है। अब उसके लिए क्या किया जा सकता है। अगर उनको दिक्कत है तो न्यायपालिका है। न्यायपालिका के शरण में जाएं या संसद में चर्चा कराएं, कानून में परिवर्तन कराएं लेकिन उनको कहीं ना कहीं तो भरोसा होना चाहिए। जब वह चुनाव जीत जाते हैं तब चुनाव आयोग ठीक है जब चुनाव हार जाते हैं तक चुनाव आयोग नहीं ठीक है, जो उनके मूल कमी है। बृजभूषण ने कहा कि जिसकी वजह से चुनाव हार रहे हैं, उस पर उनका ध्यान नहीं है। उस पर तो उनका दिमाग जाता नहीं है। उनका दिमाग सिर्फ मत पेटिका और बार–बार चुनाव आयोग पर जाता है। उनको विचार करना चाहिए कि देश की जनता उनके साथ क्यों नहीं है। इस बात पर विचार करना चाहिए कि कांग्रेस कहां थी आज कहां है, अपनी गलती को उनको देखना चाहिए। अपनी गलती देखेंगे नहीं केवल आरोप लगाते रहेंगे। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी के सलाहकार बहुत हल्के लोग हैं, टुकड़े–टुकड़े गैंग के लोग हैं, वामपंथी विचारधारा के लोग हैं।

घण्टों लगे जाम में एंबुलेंस समेत सैकड़ों वाहन फंसे रहे

संवाददाता–कुशीनगर। तमकुहीराज नगर के मुख्य चौराहे पर रविवार को सुबह साढ़े 10 बजे से दोपहर साढ़े 12 बजे तक भीषण जाम की स्थिति बनी रही। जाम में 2 एम्बुलेंस भी फंसी रहीं। एक सरकारी और एक निजी एम्बुलेंस में गंभीर मरीज थे। लगातार बजती सायरन के बावजूद एम्बुलेंस को निकलने में काफी समय लगा।

जाम का मुख्य कारण हाइवे चौराहे पर अव्यवस्थित रूप से खड़ी बसें, टेम्पो, ई–रिक्शा और ठेले हैं। इस जाम के कारण नगर के मुख्य बाजार, समउर रोड और फोरलेन के गोरखपुर व बिहार जाने वाले सर्विस रोड पर 500 मीटर तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। ट्रैक्टर–ट्रॉली और बड़े मालवाहक वाहनों के फंसने से स्थिति और बिगड़ गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले चौराहे पर पुलिस की पिकेट लगती थी, जो अब बंद हो गई है। इसका फायदा उठाकर सवारी गाड़ियां मुख्य मार्ग पर मनमाने ढंग से खड़ी होकर सवारियां भरती हैं। ठेला व्यवसायी भी स्थानीय होने का फायदा उठाते हैं और ठेला हटाने को कहने पर विवाद करते हैं।

एसडीएम, तहसीलदार, सीओ और एसएचओ की गाड़ियां भी अक्सर जाम में फंसती हैं। केवल वीआईपी के आने पर पुलिस सक्रिय होती है और सड़क खाली कराती है। नगर पंचायत के ईओ उत्तम वर्मा ने बताया कि पहले भी चालान की कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि सड़क पर अवैध रूप से खड़े होने वाले वाहनों और ठेला व्यवसायियों के खिलाफ फिर से अभियान चलाया जाएगा।

बच्चे को नदी में खींच ले गया मगरमच्छ लोग चिल्लाते रहे

संवाददाता–गोण्डा। घाघरा नदी के किनारे भैंस चरा रहे बच्चे को मगरमच्छ खींचकर नदी में ले गया। किनारे मौजूद लोगों ने देखा तो शोर मचाया। लोगों की भीड़ जुट गई, लेकिन किसी की पानी में जाने की हिम्मत नहीं हुई। घटना वीडियो भी सामने आया है। मगरमच्छ बच्चे को दबोचे हुए दिखाई दे रहा है। बच्चे का सिर पानी के ऊपर दिख रहा है। लोग चिल्ला रहे हैं। सूचना मौके पर पुलिस और वन विभाग की टीम पहुंची। 5 घंटे से बच्चे की तलाश की जा रही है। मामला उमरी बेगमगंज थाना क्षेत्र के सनौली मोहम्मदपुर गांव का है। गांव में कुंवर बहादुर यादव का परिवार रहता है। कुंवर बहादुर दिल्ली में रहकर काम करते हैं। उनका बेटा राज बाबू उर्फ नान यादव (13) कक्षा 8वीं में है। वह घर से 200 मीटर दूर उच्च प्राथमिक विद्यालय में पढ़ाई करता है। राज दो भाइयों में छोटा है। राज बाबू घाघरा नदी के किनारे भैंस को नहलाने गया था। किनारे पर ही राज बाबू खड़ा था। इसी दौरान अचानक नदी से मगरमच्छ निकला और किशोर पर हमला कर दिया। जबड़े से उसका पैर दबोचकर गिरा दिया। इसके बाद गर्दन पकड़कर पानी खींचकर ले जाने लगा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मगरमच्छ इतनी तेजी से आया राज बाबू को संभलने का मौका तक नहीं मिला। उसने बच्चे को अपने जबड़ों में जकड़ लिया और पानी में खींच कर ले जाने लगा। लोगों ने किशोर को मगरमच्छ से छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन उनके सारे प्रयास नाकाम रहे। देखते ही देखते मगरमच्छ बच्चे को लेकर आंखों के सामने ही गायब हो गया।

घटना की सूचना पर वन विभाग और स्थानीय पुलिस को दी गई। पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। गोताखोरों की मदद से नदी में जाल डालकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। हालांकि, देर शाम तक बच्चे का शव बरामद नहीं किया जा सका है। लोगों का कहना है कि घाघरा नदी में पानी बढ़ने के साथ मगरमच्छों का रिहायशी इलाकों के नजदीक आना आम बात हो जाती है। उमरी बेगमगंज थाना अध्यक्ष नरेंद्र प्रताप राय ने बताया– गांव से सूचना मिली थी कि एक घाघरा नदी के किनारे एक बच्चे को मगरमच्छ खींच करके ले गया है। पुलिस मौके पर पहुंची। जाल डाल करके गोताखोरों से बच्चे की तलाश कराई जा रही है।

दादी की तेरहवीं में पोते की मौत

संवादाता–बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच के चौकी बैवाही क्षेत्र के एकघरा गांव में सुबह 10 बजे करीब एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। अनिल कुमार वर्मा का 15 वर्षीय बेटा रजनीश कुमार वर्मा हाई टेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई।

सुबह रजनीश अपनी दादी की तेरहवीं संस्कार के लिए टेंट का सामान लेने चौराहे पर गया था। टेंट का पाइप ट्राली में लादते समय वह 11 हजार वोल्ट की बिजली की लाइन से टकरा गया। इस हादसे में रजनीश की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। थानाध्यक्ष सूरज कुमार राणा का कहना है कि उन्हें इस घटना की कोई सूचना नहीं मिली है और वे मामले की जानकारी कर रहे हैं।

जन्म प्रमाण पत्र नहीं बनाने पर ग्राम सचिव को नोटिस

संवाददाता–महराजगंज। ग्राम पंचायत खुटहा बाजार के सचिव की लापरवाही सामने आई है। विकास खंड सदर की ग्राम पंचायत अधिकारी प्रियंका पटेल ने एक ग्रामीण के जन्म प्रमाण पत्र के लिए कोई कार्रवाई नहीं की। मामला खुटहा बाजार के निवासी रियाज से जुड़ा है। रियाज ने 21 मई 2025 को जन्म प्रमाण पत्र के लिए उप जिलाधिकारी सदर के आदेश के साथ आवेदन किया था। सचिव प्रियंका पटेल ने न तो कोई कार्रवाई की और न ही समस्या के समाधान में रुचि दिखाई। जिला पंचायत राज अधिकारी श्रेया मिश्रा ने इस मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने सचिव के खिलाफ वर्ष 2025–26 के लिए विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि दर्ज की है। साथ ही चेतावनी दी है कि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोहराई गई तो कठोर कार्रवाई की जाएगी। डीपीआरओ ने जन्म प्रमाण पत्र से जुड़ी कार्रवाई की जानकारी तुरंत देने का निर्देश भी दिया है।

खराब सफाई व्यवस्था पर चौकीदार को फटकार, नर्स को दी कार्रवाई की चेतावनी

संवाददाता–महराजगंज। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कृत पिपरा में आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का रविवार को मेला नोडल अधिकारी डॉ. केपी सिंह ने निरीक्षण किया। उन्होंने मेले में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की।

डॉ. मनोज कुमार मिश्रा को मरीजों का उपचार करते देख अधिकारी संतुष्ट दिखे। हालांकि, अस्पताल परिसर में सफाई व्यवस्था खराब मिली। डॉ. सिंह ने चौकीदार को फटकार लगाते हुए तुरंत व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। स्टाफ नर्स रागिनी से संस्थागत प्रसव की जानकारी ली गई। संतोषजनक जवाब न मिलने पर अधिकारी ने चेतावनी दी कि नियमित रूप से संस्थागत प्रसव न कराने पर विभागीय कार्रवाई होगी। डॉ. सिंह ने स्वास्थ्यकर्मियों को मरीजों को समय पर सभी जरूरी सेवाएं देने के निर्देश दिए। उन्होंने पंजीकरण, दवा वितरण और जांच व्यवस्था का निरीक्षण किया। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री आरोग्य मेला सरकार की प्राथमिकता है और इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जल जीवन मिशन की धीमी रफ्तार दो साल पहले बिछी पाइपलाइन टूटी

संवाददाता–कुशीनगर। जिला मुख्यालय से 100 किलोमीटर दूर खड्डा क्षेत्र में नारायणी नदी के पास स्थित रेता क्षेत्र के निवासी शुद्ध पेयजल की प्रतीक्षा कर रहे हैं। जल जीवन मिशन के तहत श्हर घर जल नल योजनाश् का काम यहां धीमी गति से चल रहा है। दो साल पहले गांव में पाइपलाइन बिछाई गई थी, जो अब कई जगहों पर क्षतिग्रस्त हो चुकी है। वर्तमान में केवल एक पंप हाउस का निर्माण हुआ है। कार्यदायी संस्था ने वहां एक निजी चौकीदार तैनात किया है, जो जनरेटर और अन्य सामान की सुरक्षा करता है। टंकी निर्माण के लिए लगाई गई लोहे की छड़ें जंग खा रही हैं।

कुछ वर्ष पूर्व इसी क्षेत्र में शुद्ध पानी के अभाव में दो व्यक्तियों की मृत्यु के बाद टंकी लगाने की घोषणा की गई थी। कभी–कभार जनरेटर से गांव में सीधी जलापूर्ति की जाती है, लेकिन पानी का दबाव आधे इलाके तक ही पहुंच पाता है। बाउंड्री न होने के कारण सोलर सिस्टम भी नहीं लगाया जा सका है। प्रोजेक्ट के सहायक अभियंता नीरज ने बताया कि उन्हें हाल ही में खड्डा ब्लॉक का कार्यभार मिला है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा प्रोजेक्ट में कम धन आवंटित किए जाने के कारण काम की प्रगति धीमी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि नक्शों में यदि कोई त्रुटि है तो उसे सुधारा जाएगा और तब तक ग्रामीणों को डीजल जनरेटर से जलापूर्ति की जाएगी।

जब इसपर हमने ग्रामीणों से बात की तो गांव के निजामुद्दीन बताते हैं– मरचहवा गांव में दो आदमी पानी के आभाव में मर गए थे। तब लखनऊ से टीम आई थी और टंकी के लिए जगह देखकर गई थी। लेकिन, अब तब नहीं बनी। फिर डबल इंजन की सरकार जो हर घर नल जल योजना लेकर आई है, उसके तहत यहां 4 ग्राम सभा के लिए टंकी बननी शुरू हुई। लेकिन, आज तक नहीं बन सकी। बहुत लापरवाही है। हर साल कहते है कि बरसात हो रही इसलिए काम रोका गया है। उसके बाद पुनः निर्माण होगा। यही आश्वासन हम सुनते चले आते बरसात में संक्रमित पानी पीना पड़ता है।

हत्या मामले में संजय निषाद ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात, दिया कार्रवाई का आश्वासन

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीर नगर में एक हफ्ते पहले आम तोड़ने के मामूली विवाद में हुई 70 वर्षीय बुजुर्ग संतबली यादव की हत्या अब पूरी तरह से राजनीतिक रंग ले चुकी है। हर रोज किसी न किसी राजनीतिक दल के नेता मृतक परिवार से मुलाकात कर संवेदना जताने के साथ सियासी बयानबाजी में जुटे हैं। मामला मेंहदावल थाना क्षेत्र के अमरडोभा गांव का है।

7 दिन पहले अमरडोभा और सिक्टौर गांव के बीच आम तोड़ने को लेकर विवाद हुआ था। शनिवार सुबह यह विवाद फिर उग्र हो गया और ईंट–पत्थर, लाठी–डंडों से हुई हिंसा में 70 वर्षीय संतबली यादव की मौत हो गई। इस हिंसक झड़प में बनारसी यादव और उनके पुत्र सोनू यादव समेत दोनों पक्षों के कई लोग घायल हुए। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

घटना के बाद से ही पूरा मामला जातीय और राजनीतिक मोड़ ले चुका है। जहां समाजवादी पार्टी ने इसे जातीय उत्पीड़न करार देते हुए सरकार पर हमला बोला है। वहीं भाजपा की सहयोगी निषाद पार्टी भी अब खुलकर मैदान में उतर आई है। कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद अपने बेटे सांसद प्रवीण निषाद के साथ रविवार को आरोपी पक्ष से मिलने पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। लेकिन इसे जातीय संघर्ष बना देना बेहद निंदनीय है। कुछ नेता जहर उगल रहे हैं, जिससे समरसता प्रभावित हो रही है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निर्दोष जेल में गए हैं, तो उनकी जमानत करवाई जाएगी। जो लोग सिर्फ वोट लेकर मौन हैं, वे बिरादरी पर कलंक हैं। सपा जिलाध्यक्ष अब्दुल कलाम के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मृतक परिवार से मुलाकात की और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी मेंहदावल से पूर्व प्रत्याशी जयराम पांडे को फोन कर पीड़ित परिवार को लखनऊ बुलाने के निर्देश दिए हैं। सूत्रों की मानें तो अखिलेश यादव खुद परिजनों से मुलाकात कर सकते हैं।

फिलहाल पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। हत्या व मारपीट के आरोपों की जांच जारी है। अमरडोभा गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है।

बीपैक्स दाउदचक समिति में बड़ा घोटाला 1140 बोरी गेहूं और 78 बोरी यूरिया गायब

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। टांडा विकास खण्ड में सहकारी समिति में बड़े घोटाले का मामला सामने आया है। बीपैक्स दाउदचक समिति से 1140 बोरी गेहूं और 78 बोरी यूरिया गायब पाई गई है।

एआर कोऑपरेटिव राघवेंद्र प्रताप शुक्ला ने 9 जून को समिति के गोदाम का निरीक्षण करना चाहा। सचिव अजय कुमार निरीक्षण के लिए नहीं पहुंचे। अगले दिन 10 जून को सचिव की मौजूदगी में जांच की गई। समिति के सभापति मिश्रीलाल और उनकी टीम ने स्टॉक की जांच की। जांच में पता चला कि 50 किलोग्राम की 1200 बोरी के स्थान पर केवल 60 बोरी गेहूं मौजूद थीं। इसी तरह 30 बोरी डीएपी और 230 बोरी यूरिया के सापेक्ष 78 बोरी यूरिया कम मिली। गायब गेहूं की कीमत 13,82,250 रुपये और यूरिया की कीमत 20,787 रुपये है।

सहायक विकास अधिकारी राम बचन ने जिलाधिकारी की संस्तुति पर समिति के सचिव अजय कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सचिव को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया है। उन्हें भविष्य में सेवा में दोबारा नियुक्ति से भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। प्रशासन गायब सामान की वसूली की कार्रवाई शुरू कर रहा है।

सीएम योगी ने दिया आश्वासन– समस्या का समाधान होगा, सबको न्याय मिलेगा

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह जनता दर्शन में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान का भरोसा दिया। आश्वस्त किया कि सबको न्याय मिलेगा। जनता की समस्या सुनते हुए सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित की समस्या पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। इसमें हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जनता दर्शन का आयोजन गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने किया गया था।

यहां कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात की। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सबको न्याय मिलेगा और सबकी पीड़ा दूर की जाएगी। जनता दर्शन में दूसरे जिलों के भी लोग आए थे।

जनता दर्शन में आईं जमीन कब्जा संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गरीबों की जमीन कब्जामुक्त कराएं और अवैध कब्जा करने वाले दबंगों को कानूनी सबक सिखाएं। उन्होंने कहा कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले भूमाफिया और कमजोरों को उजाड़ने वाले दबंग किसी भी दशा में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का अनुसरण करते हुए कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी।

उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध करा कराया जाए। इस दौरान व्हीलचेयर पर आए एक व्यक्ति को देखकर मुख्यमंत्री भावुक हो गए। उन्होंने आश्वस्त किया इलाज में सरकार धन की कमी आड़े नहीं आने देगी। गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रविवार सुबह की दिनचर्या परम्परागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर मत्था टेकने के बाद वह मंदिर परिसर का भ्रमण करने निकले।

इस दौरान उनकी नजर परिजनों के साथ मंदिर आए बच्चों पर पड़ी तो उन्होंने बच्चों को पास बुला लिया। नाम और पढ़ाई के बारे में पूछा, उनके साथ हंसी–ठिठोली की और खूब दुलारकर आशीर्वाद और चॉकलेट दिया।

शराब की दुकान से चोरी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र में चोरों ने शराब की दुकानों को निशाना बनाया है। सरयू बाजार स्थित कंपोजिट और देशी शराब की दुकानों से चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है।

कंपोजिट शराब की दुकान से चोरों ने 30 हजार रुपए नगद और शराब की बोतलें चुराईं। चोरों ने दुकान में लगे डीवीआर और सीसीटीवी कैमरे भी उखाड़ कर ले गए। इसी के साथ बगल में स्थित देशी शराब की दुकान से 7 हजार रुपए की नगदी चोरी की गई।

कंपोजिट दुकान के मालिक कोदई सिंह ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष राजेसुल्तानपुर ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंच गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

फंदे से लटकता मिला वन दरोगा का शव

संवाददाता–श्रावस्ती। यूपी के श्रावस्ती में रविवार की सुबह संदिग्धा परिस्थितियों में वन दरोगा का शव फंदे से लटकता मिला। पत्नी ने देखा तो चीख उठी। शोर सुनकर गांववालों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। पहली पत्नी के मरने के बाद चल रहे केस और नौकरी के तनाव को लेकर सुसाइड करने की आशंका जताई जा रही है।

घटना भिनगा थाना क्षेत्र के गोठवा के मजरा गंगापुर गांव की है। गांव निवासी वेद नारायण मिश्रा (36) वन दरोगा थे। उनकी तैनाती लखीमपुर खीरी में छौंछा वन डिपो में थी। शनिवार की रात वह परिवार के साथ घर के आंगन में सो रहे थे। रविवार सुबह जब पत्नी सुधा देवी जगी तो वेद नारायण अपने बिस्तर पर नहीं है।

इस पर उन्होंने अंदर जाकर देखा तो उनकी चीख निकल गई। वेद का शव साड़ी के फंदे के सहारे छत पर लगे कुंडे से लटक रहा था। वह चीखने चिल्लाने लगीं। शोर सुनकर गांव के लोगों की भीड़ लग गई। भाई की सूचना पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने मौका मुआयना करके साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने घटना की जानकारी ली। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि वेद की पहली पत्नी बिन्नू की भी फंदे से लटककर मौत हो चुकी है। उन दोनों से एक पुत्री अंशिका (20) और एक पुत्र अभिषेक (18) है। बिन्नू की मौत के बाद उसके पिता गिलौला क्षेत्र के रामपुर पैड़ा गांव निवासी बृजेंद्र पाठक ने वेद पर केस किया था। उसका केस अभी चल रहा है।

पत्नी की मौत के कुछ समय बाद वेद नारायण ने सुधा देवी से विवाह कर लिया था। उन दोनों से दो पुत्र अभी (8) व छोटू (6) हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पहली पत्नी की मौत के बाद चल रहे केस को लेकर वेद डिप्रेशन में थे। कई महीने से वेतन न मिलने के कारण वह नौकरी को लेकर भी परेशान थे। संभव है कि इन सभी परेशानियों के चलते उन्होंने सुसाइड कर लिया हो।

प्रभारी निरीक्षक राज कुमार सरोज ने बताया कि भाई विवेकानंद मिश्रा ने भाई के सुसाइड करने की सूचना दी थी। इस पर मौके पर जाकर जानकारी ली गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण पता चल सकेगा। उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दो बाइकों की आमने–सामने से टक्कर, एक युवक की मौत– एक घायल

संवाददाता–गोरखपुर। गगहा थाना क्षेत्र के गजपुर–कौड़ीराम मार्ग पर चौरसिया इंटर कॉलेज के पास रविवार दोपहर दो बाइकों में आमने–सामने की टक्कर हो गई। इसमें एक बाइक सवार घायल हो गया, जबकि दूसरे बाइक सवार युवक की मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, रविवार को आकाश कुमार (30) निवासी करबला टोला ग्राम गजपुर कौड़ीराम कुछ काम से गया था। वह कौड़ीराम से गजपुर अपने घर जा रहा था। इसी दौरान चौरसिया इंटर कॉलेज के पास सामने से बाइक से आ रहे रमेश गुप्ता (45) से टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी की दोनों बाइकों के परकच्चे उड़ गए। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों को कौड़ीराम पीएचसी ले गई जहां आकाश कुमार पुत्र प्रकाश कुमार निवासी करबला टोला को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं रमेश गुप्ता पुत्र लक्ष्मी गुप्ता निवासी गजपुर बाजार को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

खराब सड़क और जलजमाव का पूर्व मंत्री ने लिया संज्ञान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बिस्कोहार अंतर्गत पंडित दीनदयाल नगर (यादव डीहवा) की मुख्य सड़क की जर्जर स्थिति और जलजमाव की समस्या को लेकर स्थानीय नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओं की शिकायत पर रविवार को पूर्व बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी मौके पर पहुंचे। उनके साथ नगर पंचायत अध्यक्ष अजय गुप्ता और अधिशासी अधिकारी अखिलेश दीक्षित भी मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री ने पैदल चलकर लल्ला भैया मंदिर से इटवा–बिस्कोहर रोड तक की स्थिति का जायजा लिया और नागरिकों को भरोसा दिलाया कि जल्द ही इस मार्ग पर सीसी रोड का निर्माण कराया जाएगा। साथ ही दोनों ओर नाली निर्माण भी तत्काल शुरू कराने का आश्वासन दिया। नगर पंचायत अध्यक्ष अजय गुप्ता ने मौके पर ही अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिया कि सड़क और नाली निर्माण की प्रक्रिया तत्काल शुरू कराई जाए। इस पहल की पूरे नगर में सराहना हो रही है। स्थानीय लोगों ने त्वरित कार्रवाई और जनप्रतिनिधियों की सक्रियता की प्रशंसा की है।

इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख भनवापुर बलराम मिश्रा, स्थानीय सभासद शाहिद, भाजपा नेता पंडित यादव, डॉ. रामसूरत विश्वकर्मा, मनीराम प्रजापति, गौकरण पाठक, राकेश गुप्ता, सचिन गुप्ता, लालू नाइक, जितेंद्र मौर्य सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

गरीबी ने निगली एक और जिंदगी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ इलाके के डोहरिया बुजुर्ग गांव में शनिवार की शाम एक जिंदगी गरीबी की भेंट चढ़ गई। किडनी में पथरी के दर्द से आजिज आकर एक किशोरी ने खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि आर्थिक तंगी के कारण परिवार के लोग इलाज नहीं करा पा रहे थे। शोहरतगढ़ थाना प्रभारी सुभाष यादव के मुताबिक डोहरिया बुजुर्ग गांव निवासी सीताराम मल्लाह की बेटी जानकी (15) की तबीयत पिछले कुछ दिनों से खराब चल रही थी।

पहले उसे पेट और कमर के पास दर्द शुरू हुआ जो समय के साथ बढ़ता ही जा रहा था। करीब 15 दिन पहले जांच में पता चला कि उसे किडनी में पथरी है। डॉक्टर ने ऑपरेशन कराने का सुझाव दिया था। आर्थिक तंगी के कारण सीताराम बेटी का ऑपरेशन नहीं करा पा रहे थे और रुपये के इंतजाम में लगे थे। दर्द से आजिज जानकी ने शनिवार की शाम गांव के बाहर बाग में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली।

गांव के लोगों की सूचना पर पहुंचे सीताराम बेटी का शव देख चीख पड़े। उन्होंने गांव के लोगों को बेटी की बीमारी के बारे में जानकारी दी। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

विमान हादसे में मृत लोगों की आत्मा की शांति के लिए संतों ने किया हवन

संवाददाता–अयोध्या। बीते दिनों अहमदाबाद के विमान हादसे में लगभग 240 लोगों की मौत हुई थी। इसमें विमान सवार 242 सदस्यों में एक व्यक्ति बचा था। अहमदाबाद विमान हादसे ने देश को झकझोर दिया था। रविवार को अयोध्या के साधु–संतों ने विमान हादसे में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए धार्मिक अनुष्ठान किया। साकेत भवन मंदिर पर संत– धर्माचार्यों ने मृत आत्मा की शांति के लिए शांति पाठ किया। इसके बाद हवन कर दिवंगत आत्माओं की शांति की ईश्वर से प्रार्थना की। बताते चलें कि 12 जून को अहमदाबाद में विमान हादसा हुआ था। इसमें 242 लोगों की मौत के बाद 232 लोगों के शवों की डीएनए के जरिये पहचान हुई है। शव उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। इस बीच अयोध्या के साधु–संतों ने अहमदाबाद विमान हादसे में मृत लोगों की आत्मा की शांति के लिए शांति पाठ कर हवन किया।

अयोध्या में स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया जारी

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी में विद्युत उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया गतिमान है। विगत एक वर्ष में शहरी क्षेत्र में करीब 15 हजार उपभोक्ताओं के कनेक्शन को स्मार्ट मीटर लगाकर जोड़ा गया है। शहरी क्षेत्र में 85 हजार से अधिक उपभोक्ता हैं। शत प्रतिशत उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाने का लक्ष्य रखा गया है। विद्युत विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हमारा लक्ष्य जल्द से जल्द शत प्रतिशत स्मार्ट मीटर लगवाने का है। यह कार्य मे.पोलारिस कम्पनी को दिया गया है। स्मार्ट मीटर लगवानने में उपभोक्ताओं के द्वारा कोई विरोध नहीं किया जा रहा है। लेकिन कम्पनी के कर्मचारी स्मार्ट मीटर लगाने के साथ विद्युत पोल से मीटर तक आर्मर्ड केबल नहीं लगा रहा है।

अगर कोई उपभोक्ता आर्मर्ड केबल लगवाने को कहता है तो कम्पनी के कर्मचारी उसे खरीदकर लाने को कहते हैं, जबकि आर्मर्ड का नया केबल कम्पनी को निशुल्क लगाये जाने का काम पावर कारपोरेशन ने दिया है। जहां मीटर लग रहा है वहां स्मार्ट मीटर को सील नहीं किया जा रहा है। एक से दो महीने पहले जहां मीटर लग भी गये हैं वहां अभी तक बिलिंग नहीं हुई है। जहां बिलिंग हुई उनमें कई उपभोक्ताओं का बिल स्मार्ट मीटर लगने के बाद अधिक आने लगा है। उपभोक्ताओं से बातचीत के दौरान यह बात सामने आई कि स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों में अभी कई तरह की भ्रांतियां और आशंकाएं व्याप्त हैं। इसके लिए उपभोक्ताओं को इसके फायदे और नुकसान बताने की जरूरत है। बहुत से लोगों में यह आशंका है कि अगर स्मार्ट मीटर लग जाएगा तो उनका बिल बहुत आने लगेगा। आये दिन मीटर तेज चलने की समस्या से जूझना पड़ेगा। अगर मीटर तेज चलता है तो उसका निदान कैसे कराया जाएगा। स्मार्ट मीटर के कई तरह के फायदे हैं तो इससे कुछ नुकसान की भी संभावनाएं हैं रू स्मार्ट मीटर के मुख्य फायदा यह है कि यह वास्तविक समय में बिजली की खपत की जानकारी, बिलिंग की सटीकता, और ऊर्जा की बचत शामिल हैं।

सेना से रिटायर जवान की छत से गिरकर मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर जिले के खलीलाबाद कस्बे के रहने वाले 55 वर्षीय रिटायर्ड बीएसएफ जवान जयचंद्र यादव की शनिवार शाम एक दर्दनाक हादसे में मौत हो गई। जयचंद्र यादव बीएसएफ से रिटायर होने के बाद खलीलाबाद में अपनी पत्नी सुनीता देवी, बेटे गौरव उर्फ धीरज और बेटी प्रतिमा के साथ रहते थे। हाल ही में वह अपने बच्चों के साथ कुछ दिनों के लिए अपने पैतृक गांव सिसवनिया (महुली क्षेत्र) आए हुए थे। अचानक तेज बारिश शुरू हुई। इस दौरान जयचंद्र छत पर किसी काम से गए थे। बारिश के कारण फिसलन होने से उनका संतुलन बिगड़ गया। वह खुद को बचाने के लिए छत की दीवार को पकड़ने की कोशिश करने लगे, लेकिन दीवार समेत नीचे इंटरलॉकिंग ईंटों पर गिर पड़े। गिरने से उनके सिर और शरीर में गंभीर चोटें आईं।

पड़ोसियों की आवाज सुनकर पत्नी, बच्चे और अन्य परिजन मौके पर पहुंचे। खून से लथपथ हालत में उन्हें तुरंत सीएचसी नाथनगर ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बिड़हरघाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। जवान की मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है, और हर कोई उन्हें ढांढस बंधा रहा है।

चकबंदी कार्यालय के बाबू ने मांगी रिश्वत

संवाददाता–अंबेडकरनगर। कलेक्ट्रेट में परिसर स्थित चकबंदी कार्यालय में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। कार्यालय में तैनात बाबू आर.के. कुशल चन्द्र रिश्वत लेते हुए कैमरे में कैद हो गए। भीटी तहसील के मोहम्मदाबाद सेमरा के मदन मोहन तिवारी के मकान में चकबंदी कार्यालय चल रहा है। मकान का मासिक किराया 4,500 रुपए है। किराए का भुगतान हर साल मार्च में किया जाता है।

बाबू कुशल चंद्र ने मकान मालिक तिवारी से किराए के भुगतान के लिए 16,000 रुपए की रिश्वत मांगी। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में बाबू पैसे लेते साफ दिख रहे हैं। इस घटना के बाद जनपद में लोगों में नाराजगी है। कलेक्ट्रेट परिसर में हुई इस घटना से सरकार की भ्रष्टाचार विरोधी नीति पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

राघवेंद्र प्रताप सिंह कहा–भारत का मुसलमान सबसे ज्यादा खुशहाल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। एक बार फिर हिंदू युवा वाहिनी के प्रदेश प्रभारी और डुमरियागंज के पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं। उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे मुस्लिम समुदाय को लेकर टिप्पणी करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में राघवेंद्र सिंह बोले– मुसलमानों को भाजपा सरकार की योजनाओं का लाभ लेने में कोई परहेज नहीं है, तो फिर वोट देने में परहेज क्यों? भारत का मुसलमान दुनिया का सबसे ज्यादा खुशहाल मुसलमान है।

बताया जा रहा है कि यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के 11 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में सिद्धार्थनगर के फतेपुर गांव में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिया गया। बयान के बाद से राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। राघवेंद्र सिंह इससे पहले भी अपने विवादित और बेबाक बयानों को लेकर सुर्खियों में रह चुके हैं। भाजपा में उन्हें एक तेजतर्रार नेता के रूप में जाना जाता है।

गोरखपुर से 375 यात्रियों को लेकर पाटलिपुत्र हुई रवाना

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर से पाटलिपुत्र के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस पहली बार रविवार की सुबह करीब 375 यात्रियों को लेकर रवाना हुई। यात्रियों के अलावा ट्रेन के स्टाफ ने भी सेल्फी ली और सफर को यादगार बना दिया। वन्दे भारत ट्रेन रविवार सुबह 5रू46 बजे प्लेटफार्म नंबर नौ से पाटलिपुत्र के लिए चली। ट्रेन के लोको पायलट अरुण कुमार, सहायक लोको पायलट विजय कुमार और ट्रेन मैनेजर आरए यादव ट्रेन को लेकर रवाना हुए। हालांकि ट्रेन के रवाना होने के पहले कोई औपचारिक समारोह नहीं किया गया स यात्रियों ने वंदे भारत ट्रेन के चलने पर खुशी जताई।

19 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीवान में एक जनसभा के दौरान पाटलिपुत्र से गोरखपुर तक चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को वर्चुअल रूप से हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया था। यह ट्रेन सुबह 5रू45 बजे गोरखपुर से चलकर अपराह्न 12रू45 बजे पाटलिपुत्र जंक्शन पहुंचेगी।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com